शोध पत्र/Research Paper

# कौशल और उद्योग का तालमेल : मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकास के लिए एक दोहरी-प्रणाली दृष्टिकोण

# Synergizing Skills and Industry : A Dual-System Approach to Robust Ecosystem Development

सुधांसु शेखर पाढ़ी[1] एवं योगेश शर्मा[2]
Sudhansu Shekhar Padhy[1] and Yogesh Sharma[2]
[1]Head, Gurukul HeroMotoCorp, Dharuhera
[2]Sr. Technical Trainer, Gurukul Hero Moto Corp, Dharuhera
[1]sudhansu.padhy@heromotocorp.com, [2]yogesh2.sharma@heromotocorp.com
https://doi.org/10.5281/zenodo.15562815

**सारांश**

औद्योगिक क्षेत्र, खासकर हाशिए पर रहने वाले युवाओं के लिए कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बनाने में महत्वपूर्ण है। यह शोध पत्र 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग के 10वीं पास उम्मीदवारों को लक्षित करने वाली एक पहल की योजना बनाता है जिनके पास औपचारिक शिक्षा नहीं है। यह कार्यक्रम एक जीवन रेखा है, जो एक साल का रोजगार प्रदान करता है, साथ ही व्यापक प्रशिक्षण भी देता है। प्रेरण चरण में दो सप्ताह का प्रशिक्षण होता है, फिर आठ घंटे का ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण और प्रतिदिन दो घंटे का कक्षा सत्र होता है। अगले तीन महीने में मुख्य क्षमता विकसित करने पर ध्यान दिया जाएगा, जबकि अगले छह महीने में कंप्यूटर, संचार और प्रस्तुति कौशल में सुधार होगा। अंतिम तिमाही में सामान्य निरीक्षण कौशल पर ध्यान दिया जाएगा। फिर सफल प्रतिभागी विंग्स कार्यक्रम में आगे बढ़ते हैं, जो प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों से महत्वाकांक्षी नेतृत्व भूमिकाओं तक प्रगति करता है। इसे एएसडीसी, एसवीएसयू, वाईएमसीए जैसे कौशल विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से हासिल किया गया है, जिससे इन व्यक्तियों के लिए उद्योग के उच्च क्षेत्रों में निर्बाध संक्रमण सुनिश्चित किया जा सके। यह पहल न केवल युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करता है, बल्कि उन्हें एक पेशेवर वातावरण में भी जोड़ता है, जहां एक मजबूत कौशल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जाता है, जो उनके व्यक्तिगत और आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।

**Abstract**

The industrial sector plays a pivotal role in shaping the skill ecosystem, particularly for marginalized youth. This research paper outlines an initiative targeting 10th pass candidates aged 18-25 who lack formal education. The program is a lifeline, offering a one-year employment opportunity coupled with comprehensive training. The induction phase consists of a two week training, followed by eight hours of on-the-job training and two hours of classroom sessions daily. The first six months concentrate on developing core skills, transitioning to computer, communication, and presentation skills over the next three months. The final quarter focuses on general inspection skills. Successful participants then advance to the WINGS program, which facilitates progression from certificate courses to aspirational leadership roles. This is achieved through strategic partnerships with Automotive Skill Development Council (ASDC), skill universities like SVSU, YMCA ensuring a seamless transition for these individuals into higher echelons of the industry.This initiative not only equips the youth with essential skills but also integrates them into a professional environment, fostering a robust skill ecosystem conducive to personal and economic growth.

**मुख्य शब्दः** औद्योगिक क्षेत्र, युवा, प्रशिक्षण, कौशल, प्रमाणपत्र, प्रगति।
**Key Words:** Industrial sector, Youth, Training, Skills, Certificate, Progression.

## परिचय

विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले युवाओं के लिए, औद्योगिक क्षेत्र कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्थाएं और उद्योग अधिक परिष्कृत होते जाते हैं, कुशल कर्मचारियों की मांग बढ़ती जाती है। दुर्भाग्य से, बहुत से युवा, विशेष रूप से हाशिए की पृष्ठभूमि से आने वाले, अक्सर औपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच नहीं पाते है। इस अंतर से दो समस्याएं पैदा होती हैं: इन लोगों को कार्यबल में शामिल करने की चुनौती और लक्षित कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से उनकी क्षमता का दोहन करने का मौका।

## कार्यक्रम अवलोकन

18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग के 10वीं पास उम्मीदवारों को लक्षित करने वाली एक पहल की योजना इस शोध पत्र में प्रस्तुत की गई है। कार्यक्रम ने व्यापक प्रशिक्षण के साथ एक साल की नौकरी की पेशकश की है। इसका लक्ष्य अकुशल युवाओं की मांग और उद्योग की कुशल कार्यबल की मांग को एकजुट करना है।

## प्रेरण चरण

कार्यक्रम एक कठोर प्रेरण चरण के साथ शुरू होता है, जो दो सप्ताह का प्रशिक्षण सत्र शामिल करता है। यह प्रारंभिक चरण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह प्रतिभागियों की यात्रा की नींव डालता है। प्रेरण चरण उम्मीदवारों को औद्योगिक वातावरण में ढालने पर केंद्रित है; यह उन्हें प्रारंभिक कौशल मूल्यांकन, सुरक्षा उपायों और बुनियादी कार्यस्थल प्रोटोकॉल से परिचित करता है। दो सप्ताह का प्रशिक्षण व्यापक होने के लिए बनाया गया है, ताकि प्रतिभागी ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हों।

## नौकरी पर प्रशिक्षण और कक्षासत्र

प्रेरण के बाद, प्रतिभागी आठ घंटे ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण और दो घंटे कक्षा सत्र में भाग लेते हैं। यह दोहरा दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि सीखना सीधे लागू होता है और प्रयोगात्मक होता है। OJT घटक प्रतिभागियों को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों में अनुभवी पेशेवरों के साथ काम करके व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने देता है। OJT में सीखे गए कौशल को बढ़ाकर और सैद्धांतिक ज्ञान देकर कक्षा सत्र इसे पूरक बनाते हैं।

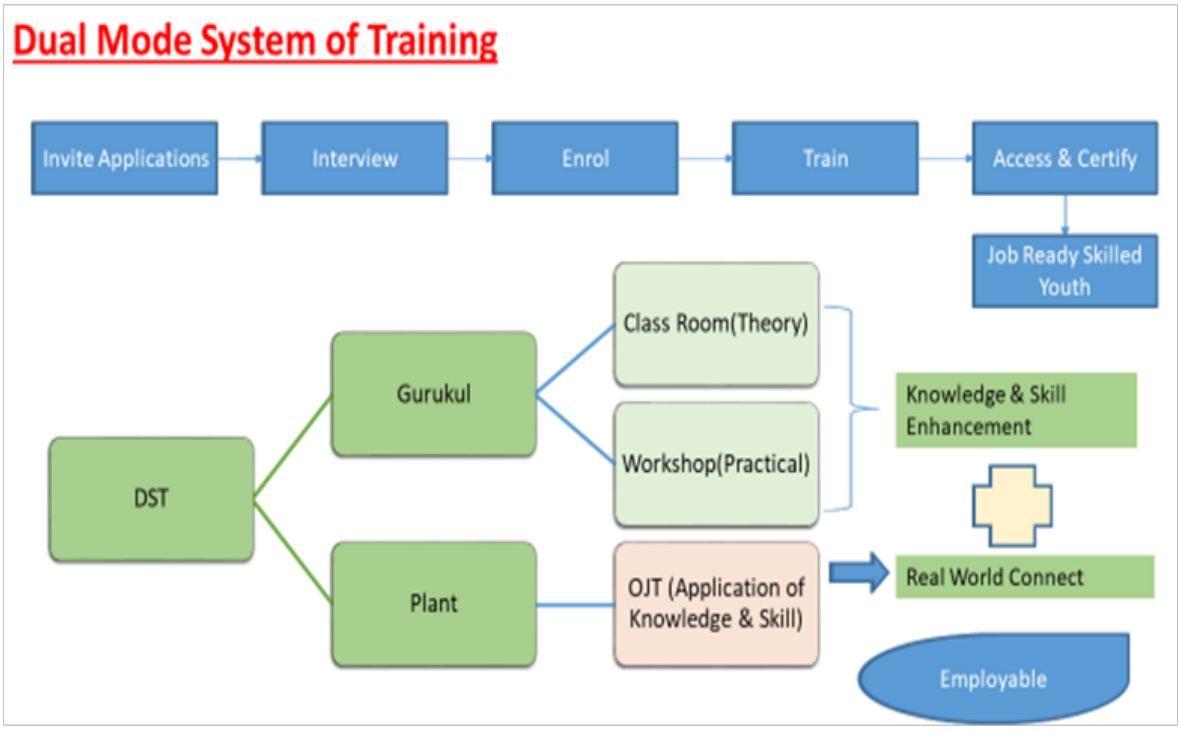

### चरण I मुख्य कौशल विकास ( पहले छह महीने )

कार्यक्रम के पहले छह महीने किसी भी औद्योगिक नौकरी के लिए प्रतिभागी को आवश्यक मुख्य कौशल में प्रवीण बनाने पर केंद्रित हैं। बुनियादी तकनीकी कौशल, औद्योगिक मशीनरी की समझ, सुरक्षा प्रोटोकॉल और व्यावसायिक ज्ञान इन कौशलों में शामिल हैं। इस चरण के अंत तक, प्रतिभागियों में आवश्यक औद्योगिक कार्यों को स्वतंत्र रूप से संभालने की क्षमता होगी। इस दौरान निरंतर मूल्यांकन भी होता है ताकि प्रतिभागी उम्मीद के अनुरूप प्रगति करें।

### चरण II कंप्यूटर, संचार और प्रस्तुति कौशल ( अगले तीन महीने )

जब प्रतिभागियों के पास मुख्य कौशल में एक मजबूत आधार होता है, तो कार्यक्रम अगले तीन महीनों में अधिक विकसित कौशलों में बदल जाता है। यह चरण कंप्यूटर कौशल, संचार कौशल और प्रस्तुतीकरण पर केंद्रित है। आज के डिजिटल युग में, किसी भी नौकरी के लिए बुनियादी कंप्यूटर संचालन में दक्षता अनिवार्य है। इसके अलावा, करियर और पेशेवर विकास के लिए प्रभावी भाषण और प्रस्तुत करने की क्षमता आवश्यक है। ये कौशल प्रतिभागियों को न केवल उनकी रोजगार क्षमता में सुधार देते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य में नेतृत्व के पदों के लिए भी तैयार करते हैं।

### चरण III सामान्य निरीक्षण कौशल ( अंतिम तिमाही )

कार्यक्रम की अंतिम तिमाही में सामान्य निरीक्षण कौशल को बढ़ाना है। प्रतिभागी गुणवत्ता की जांच करना सीखते हैं, उद्योग के नियमों को समझते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उत्पाद आवश्यक विशेषताओं को पूरा करता है। औद्योगिक उत्पादन की गुणवत्ता और स्थिरता को बनाए रखने के लिए ये कौशल आवश्यक हैं। इस चरण के अंत तक, प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे निरीक्षण प्रक्रियाओं को पूरी तरह से समझते हैं और उनमें स्वतंत्र रूप से इस प्रक्रिया को पूरा करने की क्षमता है।

### ( विंग्स कार्यक्रम: नेतृत्व का मार्ग )

प्रारंभिक कार्यक्रम से सफल प्रतिभागी विंग्स कार्यक्रम की ओर बढ़ते हैं, जो प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों से आकांक्षी नेतृत्व पदों तक उनकी प्रगति को आसान बनाने के लिए बनाया गया है। विंग्स कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को निरंतर सीखने और विकास के अवसर देना है, जिससे वे अपने वर्तमान ज्ञान और कौशल को बढ़ा सकें।

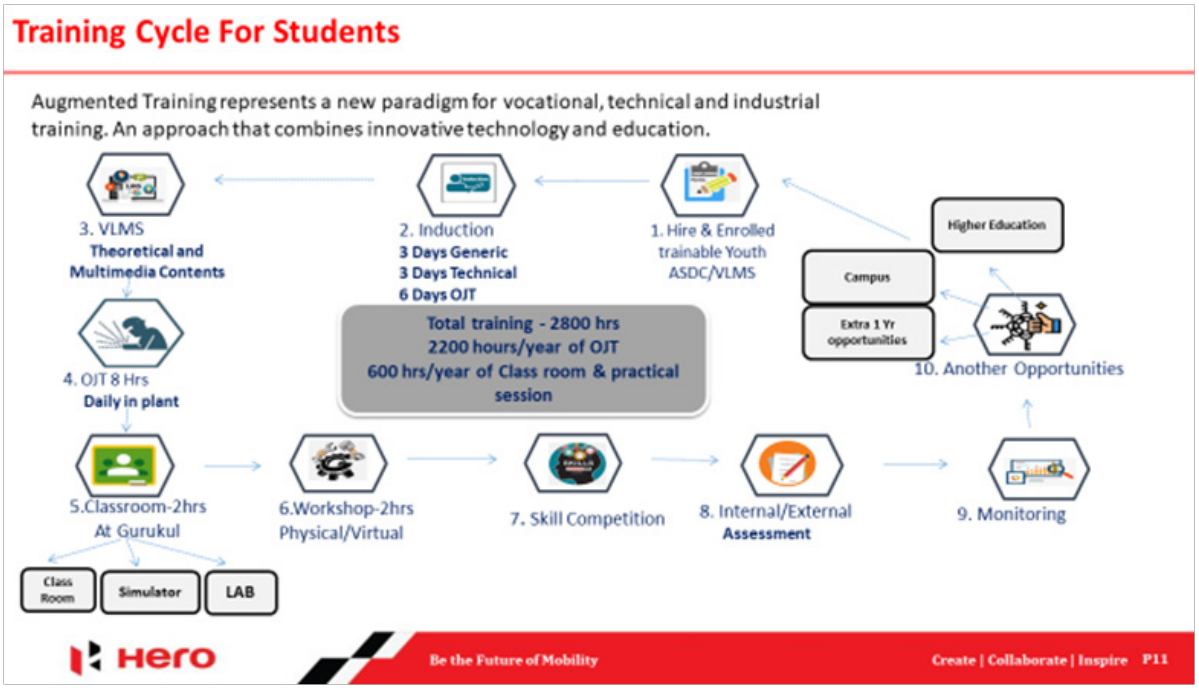

## शैक्षिक मार्ग और प्रगति

विंग्स कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसका संरचित शैक्षिक मार्ग है, जो प्रतिभागियों को एक स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करता है। एएसडीसी, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (एसवीएसयू), वाईएमसीए और अन्य कौशल विश्वविद्यालयों ने इस कार्यक्रम में सहयोग किया है, जो शैक्षणिक अवसरों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। परीक्षार्थी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा कार्यक्रमों और यहां तक कि डिग्री पाठ्यक्रमों में बदल सकते हैं। यह शैक्षिक मार्ग लचीला होने के लिए बनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों को अपनी गति से आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है, साथ ही अपने काम और पढ़ाई की प्रतिबद्धताओं को भी संतुलित कर सकते हैं।

## वजीफा और वित्तीय सहायता

विंग्स कार्यक्रम में वजीफा और वित्तीय सहायता पैकेज शामिल हैं, क्योंकि हाशिए पर रहने वाले युवाओं को वित्तीय समस्याएं होती हैं। शिक्षा और प्रशिक्षण के खर्च को कम करने में प्रतिभागियों को मासिक वजीफा मिलता है। यह समर्थन यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है कि प्रतिभागी आर्थिक दबाव से विचलित होने के बजाय अपने सीखने और विकास पर ध्यान दे सकें। इसके अलावा, कार्यक्रम ट्यूशन, किताबें और अन्य पाठ्य सामग्री के लिए धन देता है।

## नियमित कक्षा सत्र और नौकरी पर प्रशिक्षण

विंग्स कार्यक्रम में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान का संयोजन महत्वपूर्ण है। उन्नत विषयों, नेतृत्व प्रशिक्षण और विशिष्ट कौशल को समझाने के लिए नियमित कक्षा सत्र हैं। ये सत्र परस्पर संवादात्मक होने के लिए बनाए गए हैं, इसलिए प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से भाग लेने और अपनी जानकारी को वास्तविक जीवन में लागू करने के लिए प्रेरित करते हैं।

साथ ही, प्रतिभागी अपने चुने हुए क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण प्राप्त करते रहते हैं। यह दोहरा दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि सीखना व्यापक है और कार्यस्थल पर लागू होता है। OJT घटक प्रतिभागियों को उनकी भूमिकाओं की गहरी समझ विकसित करने, उद्योग के पेशेवरों से बातचीत करने और वास्तविक परियोजनाओं पर काम करने की अनुमति देता है।

## कौशल विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक साझेदारी

एएसडीसी, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और वाईएमसीए जैसे कौशल विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक सहयोग विंग्स कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये सहयोग प्रतिभागियों को उच्च शिक्षा और उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निरंतर बदलाव देते हैं। इन सहयोगों से प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम और यहां तक की उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप डिग्री कार्यक्रमों तक पहुंच मिलती है।

## नेतृत्व प्रशिक्षण और विकास

विंग्स कार्यक्रम नेतृत्व प्रशिक्षण और विकास पर जोर देता है। प्रतिभागियों को विभिन्न नेतृत्व सिद्धांतों, तरीकों और उनके वास्तविक जीवन के उदाहरणों से परिचित कराया जाता है। उन्हें निर्णय लेने, टीमों का नेतृत्व करने और समस्या-समाधान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। नेतृत्व पर यह ध्यान सुनिश्चित करता है कि प्रतिभागी न केवल कुशल कर्मचारी हों बल्कि संभावित नेता भी हों जो अपने संगठनों में बदलाव और नवाचार ला सकते हैं। विंग्स महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, आर्थिक सहायता और दीर्घकालिक विकास का एक व्यापक दृष्टिकोण देकर सशक्त बनाता है। यह केवल प्रमाणपत्रों की बात नहीं है; यह नेता बनाने और भविष्य को बनाने के बारे में है।

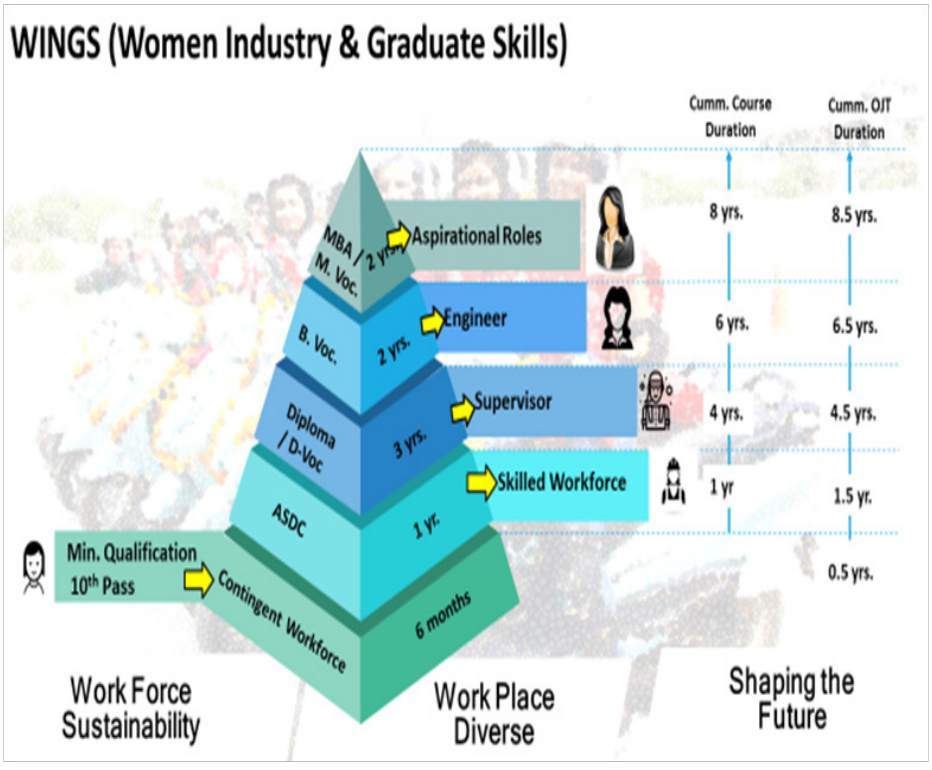


**आइये ( विंग्स और स्नातक कौशल ) कार्यक्रम के लाभों के बारे में विस्तार से जानें-**

**शैक्षिक प्रगति**

- बुनियादी शिक्षा से लेकर विशिष्ट व्यावसायिक प्रशिक्षण तक, विंग्स निर्बाध संक्रमण की सुविधा प्रदान करता है।
- प्रतिभागी 10वीं पास करने के बाद डिप्लोमा, स्नातक डिग्री और यहां तक कि मास्टर डिग्री तक जा सकते हैं।
- यह शैक्षिक सीढ़ी महिलाओं को आवश्यक ज्ञान और कौशल देती है और उनके लिए कई करियर पथ खोलती है।

**कौशल विकास:**

- विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास को कार्यक्रम प्राथमिकता देता है।
- प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और उद्योग-संबंधित पाठ्यक्रमों से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।
- प्राप्त कौशल में तकनीकी क्षमता, समस्या-समाधान, नेतृत्व और संचार की क्षमता शामिल हैं।

**वजीफा और वित्तीय सहायता**

- विंग्स कई महिलाओं के सामने आने वाले वित्तीय मुद्दों को जानता है।
- यह वजीफा या वित्तीय सहायता, अध्ययन सामग्री और रहने के खर्चों को कवर करने के लिए ट्यूशन फीस देता है।
- यह समर्थन सुनिश्चित करता है कि आर्थिक बाधा शैक्षिक गतिविधियों को बाधित नहीं करती।

**लंबी अवधि की भागीदारी**

- विंग्स, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों से अलग, निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है।
- प्रतिभागी लंबी अवधि के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो व्यापक सीखने और कौशल अवशोषण की अनुमति देता है।
- विस्तारित भागीदारी साथियों, आकाओं और उद्योग पेशेवरों के साथ गहरे संबंधों को बढ़ाती है।

### आकांक्षी कार्यक्रम

- विंग्स केवल शिक्षा नहीं है; यह एक महान यात्रा है।
- प्रतिभागी उच्च योग्यता प्राप्त करने का लक्ष्य रखकर महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हैं।
- इस कार्यक्रम से उद्यमिता या प्रबंधकीय नौकरी मिल सकती है।

### व्यक्तिगत और आर्थिक विकास पर प्रभाव

यह पहल न केवल हाशिए पर रहने वाले युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करता है, बल्कि उन्हें एक पेशेवर वातावरण में भी एकीकृत करता है, जिसमें एक मजबूत कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलता है, जो उनके व्यक्तिगत और आर्थिक विकास के लिए अनुकूल है। कार्यक्रम इन युवा लोगों को सफलता के लिए आवश्यक सामग्री देकर उनका और उनके परिवार का भविष्य सुधारता है।

### व्यक्तिगत विकास

कार्यक्रम में भाग लेने वाले व्यक्ति महत्वपूर्ण आत्मविकास का अनुभव करेंगे। उनमें आत्म-सम्मान, आत्मविश्वास और उद्देश्य की भावना विकसित होती है। उन्हें प्रारंभिक असुरक्षाओं से उबरने और भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने में प्रशिक्षण और निरंतर समर्थन मिलता है। व्यक्तिगत विकास के लिए अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना भी पेशेवर वातावरण में सीखने और काम करने का अवसर देता है।

### आर्थिक विकास

कुल मिलाकर, कार्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले सक्षम कर्मचारियों का निर्माण करके आर्थिक विकास में योगदान देता है। यह पहल, कौशल अंतर को कम करके, उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मकता और उच्च उत्पादकता बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही, भागीदार अपने समुदायों की अर्थव्यवस्था को बढ़ाते हैं क्योंकि वे स्थिर रोजगार और स्थिर आय बनाए रखते हैं। यह आर्थिक स्थिरता का प्रभाव परिवारों और समुदायों तक फैलता है, वृद्धि और विकास के चक्र को बढ़ाता है।

### निष्कर्ष

उद्योग-संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों की शक्ति का प्रमाण है: 18-25 आयु वर्ग के 10वीं पास उम्मीदवारों को लक्षित करने वाली पहल, जिनके पास औपचारिक शिक्षा का अभाव है। कार्यक्रम हाशिए पर रहने वाले युवाओं को सशक्त बनाता है, उन्हें व्यापक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर देकर औद्योगिक क्षेत्र में

आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि प्रतिभागियों को ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण, कक्षा सत्रों और कौशल विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक सहयोग प्राप्त होता है, जो उन्हें वर्तमान नौकरी भूमिकाओं और भविष्य के नेतृत्व पदों दोनों के लिए तैयार करता है। अंततः, इस प्रयास से न केवल लोगों की जिंदगी बदल जाती है, बल्कि एक मजबूत कौशल पारिस्थितिकी तंत्र भी बनाया जाता है जो उनके आर्थिक और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है।

**शोध पत्र में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों की समानार्थक हिन्दी शब्दावली**

| Alphabetically sorted terminology in English | वर्णानुक्रमित हिन्दी शब्दावली |
|---|---|
| Ecosystem | पारिस्थितिक तंत्र |
| Formal | औपचारिक |
| Interactive | परस्पर संवादात्मक |
| On-the-Job Training | अंतः कार्य प्रशिक्षण |
| Presentation skill | प्रस्तुति कौशल |
| Seamless transistion | निर्बाध संक्रमण |

## संदर्भ


1. International Labour Organization (ILO), (2017). Global Employment Trends for Youth (2017): Paths to a better working future.
2. United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO), (2012), Youth and Skills: Putting Education to Work.
3. Organisation for Economic Co-operation and Development (OECD). (2018). Getting Skills Right: Future-Ready Adult Learning Systems.
4. National Skill Development Corporation (NSDC), (2019). Skill India: A Roadmap for Sustainable Skill Development.
5. Billett, S. (2011), Vocational Education: Purposes, Traditions and Prospects- Springer.
6. King, K., & Palmer, R. (2010). Planning for Technical and Vocational Skills Development, UNESCO.


❐